पी.जी.डी.आई.बी.ओ.

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय
प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी.जी.डी.आई.बी.ओ.)

सत्रीय कार्य
2010-11

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य –2010–11

प्रिय छात्रा / छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् (जनवरी 2010 और जुलाई 2010) के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो जनवरी 2010 में पंजीकृत है उनकी वैधता दिसंबर 2010 तक है।

2. जो जुलाई 2010 में पंजीकृत है उनकी वैधता जून 2011 है।

आपको चाहिए कि आप इसे पूरा करके निम्नलिखित निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय को भेज दें।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इसे 30 अप्रैल तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें 31 अक्टूबर तक अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास अवश्य जमा कर दें।

नोट : यदि आपको अध्ययन सामग्री और सत्रीय कार्य देर से मिलते हैं तो आप सामग्री मिलने के बाद एक मास तक सत्रीय कार्य के उत्तर को जमा कर सकते हैं।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई.बी.ओ.–01
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ.–01/टी.एम.ए./2010–11
खंडों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. भुगतान शेष से आपका क्या तात्पर्य है? भुगतान शेष में असाम्य कैसे आता है? असाम्य को दूर करने वाली विधियों की चर्चा कीजिए। (4+8+8)

2. क्या आप यह मानते हैं कि विश्व अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण का प्रभाव अनुकूल है। उपयुक्त उदाहरण के साथ वैश्वीकरण के विभिन्न अवधारणाओं का वर्णन कीजिए। (8+12)

3. निम्नलिखित में अंतर बताइए।

   क) निर्यात विक्रय अनुबंध तथा घरेलू विक्रय अनुबंध

   ख) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के परम्परावादी सिद्धांत तथा गैर–परंपरावादी सिद्धांत (10+10)

4 निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी करें :

   क) एशियन विकास बैंक

   ख) क्षतिपूरक वित्तीय सुविधा

   ग) पाटन विरोधी समझौता

   घ) व्यापार की दिशा (Terms of Trade) (4×5)

5. निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणी कीजिए।

   क) विकसित देशों के पराराष्ट्रीय निगम (TNCs) और विकासशील देशों के TNCs को पृथक करने वाले कुछ कारक हैं।

   ख) भाषा संस्कृति का एक महत्वपूर्ण तत्व है।

   ग) क्या क्षेत्रीय व्यापार गुट की स्थापना WTO के मुक्त व्यापार के सिद्धांत का विरोधाभास है?

   घ) अवैध समझौता और गैर–कानूनी समझौता एक ही है। (4×5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ.–02**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंध**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.–02/टी.एम.ए./2010–11**
खंडों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. हैदराबाद स्थित एक औषधि निर्माण कम्पनी, ए.बी.सी. बाजार में प्रवेश करना चाहती है। कम्पनी अफ्रिका में निर्माण और विपणन सुविधाएँ विकसित करने के लिए पूँजी निवेश करने की इच्छुक है। कम्पनी को अफ्रिकी बाजार में प्रवेश करने के विभिन्न विधियों के बारे में अपना सुझाव दीजिए और प्रत्येक विधि के लाभ और हानि को स्पष्ट कीजिए। (20)

2. ''वस्तुओं की अपेक्षा सेवाओं का विपणन विपणक के सम्मुख विशिष्ट चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है।'' ऐसा क्यों हैं? स्पष्ट कीजिए। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में सेवाओं के विपणन में आने वाली चुनौतियों को लिखिए। (20)

3. निम्नलिखित में विभेद कीजिए :

   क) अन्तर्राष्ट्रीय बाजार नियोजन की मानक विधि और बहु–घरेलू विधि।

   ख) अन्तर्राष्ट्रीय विपणन और वैश्विक विपणन। (2×10)

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   क) अन्तर्राष्ट्रीय विपणन में जीवन–चक्र लम्बा खींचने की रणनीतियाँ। (2×10)

   ख) अन्तर्राष्ट्रीय विपणन में अनुकूलन विज्ञापन रणनीति।

5. निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणी कीजिए।

   क) अन्तर्राष्ट्रीय विपणन और कुछ न होकर बृहत् परिमाण पर घरेलू विपणन है।

   ख) अन्तर्राष्ट्रीय विपणन मिश्र में उत्पाद नियंत्रण योग्य चर नही है।

   ग) अन्तर्राष्ट्रीय विपणन शोध में आप हमेशा केवल मात्रात्मक डेटा एकत्र करते हैं।

   घ) सरकारी नियंत्रण लागू करने के लिए की गई सेवाएँ गैट्स (GATS) के दायरे में नहीं आती है। (4×5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई.बी.ओ.–03
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	भारत का विदेश व्यापार
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ.–03/टी.एम.ए/2010–11
खंडों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

1. भारतीय निर्यात में आने वाली प्रमुख समस्याओं का वर्णन कीजिए। भारत के भुगतान संतुलन की वर्तमान स्थिति क्या है ? (15+5)

2. विश्व व्यापार संगठन के प्रति अपनी वचनबद्धता को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा किए गए प्रमुख कार्यों को रेखांकित कीजिए। पिछले कुछ वर्षों में सीमा–शुल्क नीति को किस प्रकार तर्कसंगत बनाया गया है? (15+5)

3. क) भारतीय कृषि उत्पाद निर्यात के संघटन का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

   ख) कृषि उत्पाद निर्यात को बढ़ाने के लिए पिछले कुछ वर्षों में अपनाई गई युक्तियों को रेखांकित कीजिए। (10+10)

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   क) रेडीमेड वस्त्रों का निर्यात

   ख) भारत में पर्यटन की संभावनाएँ

   ग) सूचना तकनीक और बी.पी.ओ.

   घ) भारत का संयुक्त अरब अमीरात के साथ व्यापार (4×5)

5. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए।

   क) अधिकांश विकासशील देशों में उनके भुगतान संतुलन के कारण चालू खाते में घाटा होता है।

   ख) औद्योगिकरण आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण अंग है।

   ग) भारतीय अर्थव्यवस्था में वस्त्र उद्योग का महत्वपूर्ण स्थान है।

   घ) भारतीय निर्यात में हस्तकला उद्योग का निर्यात सामान्य रूप से और रत्न–आभूषणों का निर्यात विशेष रूप से प्रमुख क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। (4×5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ.–04**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**निर्यात–आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.–04 / टी.एम.ए. / 2010–11**
खंडों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. इलेक्ट्रॉनिक डाटा इन्टरचेंज प्रणाली के मानकों की विस्तार से व्याख्या कीजिए। इलेक्ट्रॉनिक डाटा इन्टरचेंज प्रणाली के मूल घटक क्या है? (15+5)

2. आयात वित्त के नियामक ढांचे का उल्लेख कीजिए। आयात वित्त की विभिन्न विधियों की व्याख्या कीजिए। (3+17)

3. समुद्री सीमा–शुल्क निकासी की प्रक्रिया का प्रलेखीय औपचारिकताओं के साथ व्याख्या कीजिए। (20)

4. क) निर्यात के उत्पादन आधार को बढ़ाने से संबंधित निर्यात सहायता का वर्णन कीजिए।

   ख) निर्यात संवर्धन योजना के तहत दिये जाने वाले राजकोषीय वित्त प्रोत्साहनों का उल्लेख कीजिए। (10+10)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए :

   क) आयातक देशों में विधिक प्रलेख

   ख) विदेशी मुद्रा खाता

   ग) सम निर्यात

   घ) निर्यात साख गारंटी निगम (ECGC) की वित्तीय गारंटियां (4×5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई.बी.ओ.–05
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	अंतर्राष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक्स
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ.–05/टी.एम.ए./2010–11
खंडों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

1. किसी संगठन के लॉजिस्टिक्स प्रबंधन से सम्बन्धित तीन प्रमुख अवधारणायें क्या हैं ? उनकी संक्षिप्त रूप से व्याख्या करें और बतायें की उनमें से किसे आप सर्वोतम विधि मानते हैं और क्यों? (20)

2 वाणिज्यिक नौपरिवहन की मुख्य विशेषताओं को बताइए और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के विकास में इसकी महत्त्व की व्याख्या कीजिए। (20)

3. लाइनर भाड़ा दरों को प्रभावित करने वाले आधार सिद्धान्तों और कारकों की चर्चा कीजिए। साथ ही ब्रेक बल्क कार्गो के सम्बन्ध में भुगतान की जाने वाली अन्तिम भाड़े को निकालने के लिए आधार भाड़ा दर में जोड़े जाने वाले विभिन्न तत्वों का विशेष उल्लेख कीजिए। (20)

4. ''बन्दरगाहों की कुशलता न केवल देश की सम्पूर्ण परिवहन व्यवस्था को कुशल बनाने में मदद करती है बल्कि मूल स्थान से अंतिम मंजिल तक वस्तुओं की परिवहन लागत को घटाने में भी मदद करती है।'' टिप्पणी कीजिये और भारतीय बन्दरगाहों के सम्मुख उपयोगकर्ताओं को कुशल सेवा प्रदान करने में आ रही बाधाओं पर चर्चा कीजिये। (20)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

   क) संयुक्त उपक्रम

   ख) अग्नि सेतु–बंधन

   ग) निर्यात आर्डर

   घ) बहुमॉडल परिवहन (4×5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ.– 06**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.–06/टी.एम.ए./2010–11**
खंडों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. लेन–देन एक्पोजर की अग्रता और पश्चता (leading and lagging) हेजिंग तकनीक की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। इस कार्यनीति के क्या लाभ हैं? (20)

2. क) भुगतान शेष (BOP) की संकल्पना तथा महत्व की विवेचना कीजिए।

   ख) अंतर्राष्ट्रीय रोकड़ प्रबन्ध के क्या उद्देश्य हैं? (10+10)

3. बहुराष्ट्रीय कम्पनियों (MNC) तथा उसके संबद्धों (Affiliates) के पूंजी संरचना निर्धारण के लिए कारक क्या हैं? (20)

4. क) विदेश व्यापार में उपयोग की जाने वाली विभिन्न गारंटियों की व्याख्या कीजिए। यह किस प्रकार से क्रेता के हित का बचाव करती हैं?

   ख) APV तकनीक वित्तीय समीक्षा की अन्य तकनीकों से किस प्रकार भिन्न है? (10+10)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियां लिखिए :

   क) क्रय शक्ति समता

   ख) ऋण मूल्य निर्धारण

   ग) CAPM

   घ) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) (10+10)